भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2740

(जिसका उत्तर सोमवार, दिनांक 17 मार्च, 2025/26 फाल्गुन,1946 (शक) को दिया जाना है)

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच वित्तीय संबंध

2740. श्री तापिर गाव:

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच वार्ता के परिणामों का इनके बीच वित्तीय संबंधों तथा द्विपक्षीय व्यापार को किस प्रकार सुदृढ़ किए जाने का उद्देश्य है;

(ख) क्या सहयोग में सुधार लाने और वित्तीय विनियमों को सुसंगत बनाने के लिए भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच किन्हीं पहलों अथवा विनियामक सुधारों पर चर्चा की गई है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ग): भारत-यूनाइटेड किंगडम आर्थिक और वित्तीय वार्ता भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच वित्तीय और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करती है। यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच निवेश, अवंसरचना वित्तपोषण, वित्तीय बाजार संबंधी सुधार, विनियामक फ्रेमवर्क संबंधी सुधार और अतंर्राष्ट्रीय विकास जैसे क्षेत्रों में विचारों के आदान-प्रदान और सहयोग के अवसरों को सुविधाजनक बनाती है। इस वार्ता के दायरे के तहत, भारत-यूके वित्तीय बाजार वार्ता (एफएमडी) दोनों पक्षों के वित्तीय क्षेत्रों के बीच विशेषज्ञता और अनुभव को साझा करने तथा सहयोग बढ़ाने के लिए आयोजित की जाती है। हाल ही में, तीसरे एफएमडी का आयोजन 12 दिसम्बर, 2024 को गिफ्ट (जीआईएफटी) सिटी, गुजरात में किया गया था। भारत और यूनाइटेड किंगडम, दोनों राष्ट्रों के भागीदारों ने पूंजीगत बाजारों, बीमा और पुनर्बीमा, पेंशन, फिनटेक, संधारणीय वित्त और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र सहित संबंधित वित्तीय सेवा क्षेत्रों में सुधारों का उल्लेख किया। चर्चा से वित्तीय सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने हेतु अंतर-विनियामक सहयोग के अवसरों का पता लगाने में सहायता मिली।

*****